

# COVID-19 पोल

चुनाव आयोग में भारतीयों का भरोसा बढ़ा है।

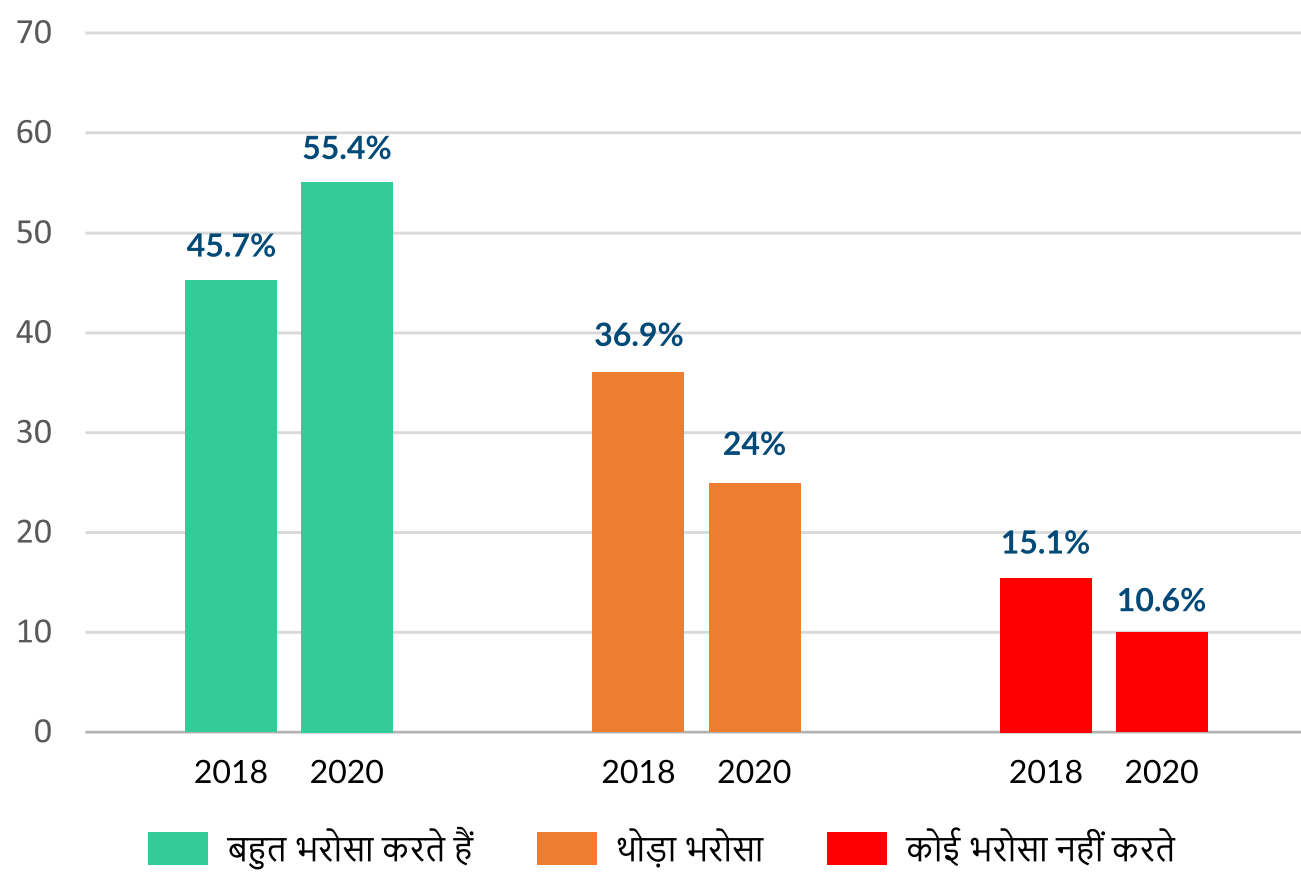
टीम C-Voter ने 2018 और 2020 में भारतीयों के द्वारा गए चुनाव आयोग पर किये गये भरोसे के स्तर का पता लगाने के लिए कई सर्वेक्षण किए। भारत में चुनाव आयोग सभी राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर के चुनावों के लिए जिम्मेदार स्वायत्त निकाय है।

पिछले 2 वर्षों में, चुनाव आयोग पर भारतीयों का भरोसा लगभग 10% बढ़ा है।

टीम पोलस्ट्रैट ने पिछले 2 वर्षों में भारत में जनसांख्यिकी के स्तर में वृद्धि का विश्लेषण किया है।



**Q** आप निम्नलिखित संस्थानों पर कितना भरोसा करते हैं? क्या आप चुनाव आयोग में बहुत भरोसा, कुछ भरोसा या कोई भरोसा नहीं करते हैं?



सर्वेक्षण में पूछे गए सभी 18 संस्थानों के बीच सामाजिक संगठनों की श्रेणी 2018 की तुलना में 2020 में अपरिवर्तित रही।

2018

08

सामाजिक संगठन

2020

08

सामाजिक संगठन

## 2020 के डेटा का विश्लेषण

### सामाजिक संगठन

कुल मिलाकर, सामाजिक संगठनों में विश्वास का स्तर 2018 में 45.7% से बढ़कर 2020 में 55.4% हो गया।



अधिकांश जनसांख्यिकी, उम्र, लिंग, सामाजिक, आय और शिक्षा समूहों ने चुनाव आयोग में विश्वास के अपने स्तर में वृद्धि दर्ज की।



आय और शिक्षा समूहों के बीच, चुनाव आयोग में विश्वास में वृद्धि हुई।

+8%

निम्न आय

+14.2%

मध्यम आय

+11.3%

उच्च आय

+7.8%

निम्न शिक्षा

+9%

मध्यम शिक्षा

+20.3%

उच्च शिक्षा



सभी सामाजिक समूहों ने चुनाव आयोग में विश्वास में वृद्धि की रिपोर्ट की, ईसाई, उच्च वर्ग के हिंदुओं और मुसलमानों में वृद्धि का उच्चतम स्तर दर्ज किया गया।

2018

47.6%

अनुसूचित जनजाति (ST)

+3.7%

2020

51.3%

अनुसूचित जनजाति (ST)

50.6%

अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)

+4.6%

2020

55.2%

अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC)

22%

ईसाई

+21.9%

2020

43.9%

ईसाई

51.6%

उच्च वर्ग के हिंदू

+18.4%

2020

70%

उच्च वर्ग के हिंदू

29.7%

मुस्लिम

+14.7%

2020

44.4%

मुस्लिम

शहरी क्षेत्रों में रहने वालों में, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की तुलना में चुनाव आयोग में विश्वास का स्तर काफी अधिक था।

73.3%

शहरी

53.1%

ग्रामीण

सभी सर्वेक्षण निष्कर्ष और अनुमान को टीम C-Voter "ट्रस्ट इन इंस्टीट्यूशंस" की सर्वेक्षण पर आधारित है, जो 2010, 2018 और 2020 में 18+ वयस्कों के बीच राज्यव्यापी किए गए हैं, जिसमें हर प्रमुख जनसांख्यिकीय शामिल है।

डेटा को हर राज्य के ज्ञात जनसांख्यिकीय प्रोफाइल में शामिल किया जाता है, जिसमें आयु वर्ग, सामाजिक समूह, आय, क्षेत्र, लिंग और शिक्षा स्तर शामिल हैं।

नमूना आकार: 2018 2,709 2020 1,347 कुल 4,056

